www.evidyarthi.in

फिर से याद करें

प्रश्न 1. रिक्त स्थानों की पूर्ति करें :

(क) राजराजेश्वर मंदिर ..... में बनाया गया था।

(ख) अजमेर सूफ़ी संत ..... से संबंधित है।

(ग) हम्पी ..... साम्राज्य की राजधानी थी।

(घ) हॉलैंडवासियों ने आंध्र प्रदेश में .....पर अपनी बस्ती बसाई।

कक्षा VII पाठ 6 नगर, व्यापारी और शिल्पजन (NCERT)

www.evidyarthi.in

(क) ग्यारहवीं सदी में

(ख) ख्वाजा मुइनुउद्दीन चिश्ती

(ग) विजयनगर

(घ) मसूलीपट्टनम।

www.evidyarthi.in

प्रश्न 2. बताएँ क्या सही है और क्या गलत :

(क) हम राजराजेश्वर मंदिर के मूर्तिकार (स्थपति) का नाम एक शिलालेख से जानते हैं।

(ख) सौदागर लोग काफ़िलों में यात्रा करने की बजाय अकेले यात्रा करना अधिक पसंद करते थे।

कक्षा VII पाठ 6 नगर, व्यापारी और शिल्पजन (NCERT)

www.evidyarthi.in

(ग) काबुल हाथियों के व्यापार का मुख्य केंद्र था।

(घ) सूरत बंगाल की खाड़ी पर स्थित एक महत्त्वपूर्ण व्यापारिक पत्तन था।

कक्षा VII पाठ 6 नगर, व्यापारी और शिल्पजन (NCERT)

www.evidyarthi.in

(क) सही

(ख) गलत

(ग) गलत

(घ) गलत।

कक्षा VII पाठ 6 नगर, व्यापारी और शिल्पजन (NCERT)

www.evidyarthi.in

प्रश्न 3. तंजावूर नगर को जल की आपूर्ति कैसे की जाती थी?

उत्तर- तंजावुर शहर के लिए पानी की आपूर्ति कुओं और टैंकों से होती थी।

पानी के कुंए

कक्षा VII पाठ 6 नगर, व्यापारी और शिल्पजन (NCERT)

www.evidyarthi.in

पानी की टंकी

जलाशयों

www.evidyarthi.in

प्रश्न 4. मद्रास जैसे बड़े नगरों में स्थित 'ब्लैक टाउन्स' में कौन रहता था?

उत्तर- व्यापारी, कारीगर (जैसे बुनकर), देशी व्यापारी और शिल्पकार 'ब्लैक टाउन' में रहते थे।

कक्षा VII पाठ 6 नगर, व्यापारी और शिल्पजन (NCERT)

www.evidyarthi.in

बुनकर

देशी व्यापारी

www.evidyarthi.in

प्रश्न 5. आपके विचार से मंदिरों के आस-पास नगर क्यों विकसित हुए?

उत्तर- मंदिरों के आसपास नगरों के विकास के लिए निम्नलिखित कारक उत्तरदायी हैं:

- मंदिर के पास बड़ी संख्या में पुजारी, कार्यकर्ता, कारीगर, व्यापारी आदि बस गए|

कक्षा VII पाठ 6 नगर, व्यापारी और शिल्पजन (NCERT)

www.evidyarthi.in

पुजारी

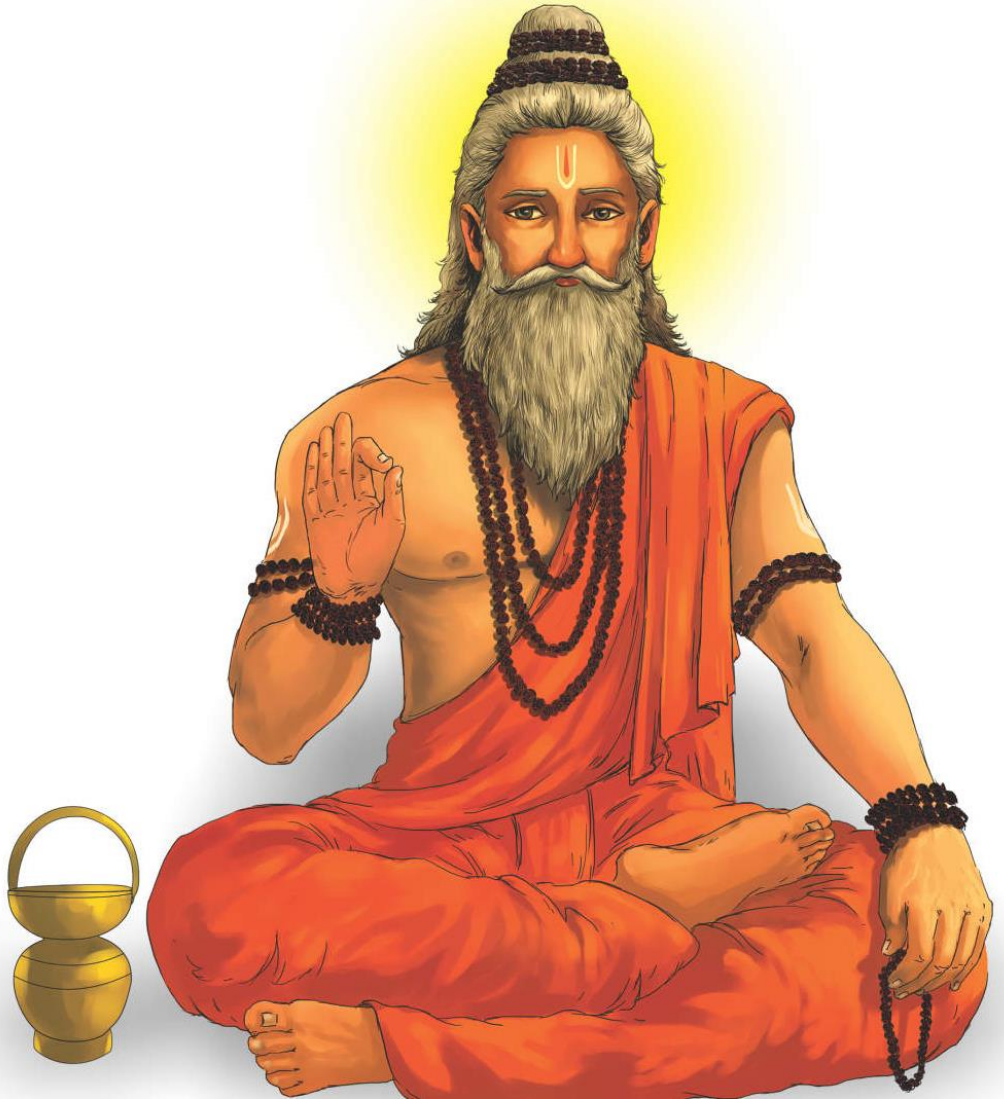

सफाई कमचारी

कक्षा VII पाठ 6 नगर, व्यापारी और शिल्पजन (NCERT)

www.evidyarthi.in

- उन्होंने लोगों और मंदिरों में आने वाले तीर्थयात्रियों की विभिन्न जरूरतों को पूरा किया। नगरों के द्वारा वृद्धि हुई, जो मन्दिर नगर कहलाए।

www.evidyarthi.in

प्रश्न 6. मंदिरों के निर्माण तथा उनके रख-रखाव के लिए शिल्पीजन कितने महत्त्वपूर्ण थे?

उत्तर- शिल्पीजन ने मंदिरों के निर्माण और रखरखाव में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई:

कक्षा VII पाठ 6 नगर, व्यापारी और शिल्पजन (NCERT)

www.evidyarthi.in

i. विश्वकर्मा समुदाय जिसमें सुनार, कांसे का लोहार, लोहार, राजमिस्त्री और बढ़ई शामिल थे, मंदिरों के निर्माण के लिए आवश्यक थे।

ii. सालियार या कैक्कोलर जैसे बुनकर समृद्ध समुदाय थे और उन्होंने मंदिरों को पर्याप्त दान दिया।

कक्षा VII पाठ 6 नगर, व्यापारी और शिल्पजन (NCERT)

www.evidyarthi.in

- कांस्य-स्मिथ
- लोहार
- राजमिस्त्री
- बढ़ई

कक्षा VII पाठ 6 नगर, व्यापारी और शिल्पजन (NCERT)

www.evidyarthi.in

iii. बीदर के शिल्पकार तांबे और चांदी में जड़ाई के काम में कुशल थे। वे अपने तरीके से मंदिरों के निर्माण और रखरखाव के लिए भी महत्वपूर्ण थे।

www.evidyarthi.in

प्रश्न 7. लोग दूर-दूर के देशों-प्रदेशों से सूरत क्यों आते थे?

उत्तर- दूर देशों से लोग निम्नलिखित कारणों से सूरत का दौरा करते थे:

(i) सूरत ओरमुज की खाड़ी के माध्यम से पश्चिम एशिया के साथ व्यापार का प्रवेश द्वार था।

(ii) सूरत को मक्का का द्वार भी कहा गया है क्योंकि कई तीर्थयात्री जहाज यहां से रवाना होते हैं।

कक्षा VII पाठ 6 नगर, व्यापारी और शिल्पजन (NCERT)

पश्चिम एशिया और भारत के बीच व्यापार का प्रवेश द्वार

www.evidyarthi.in

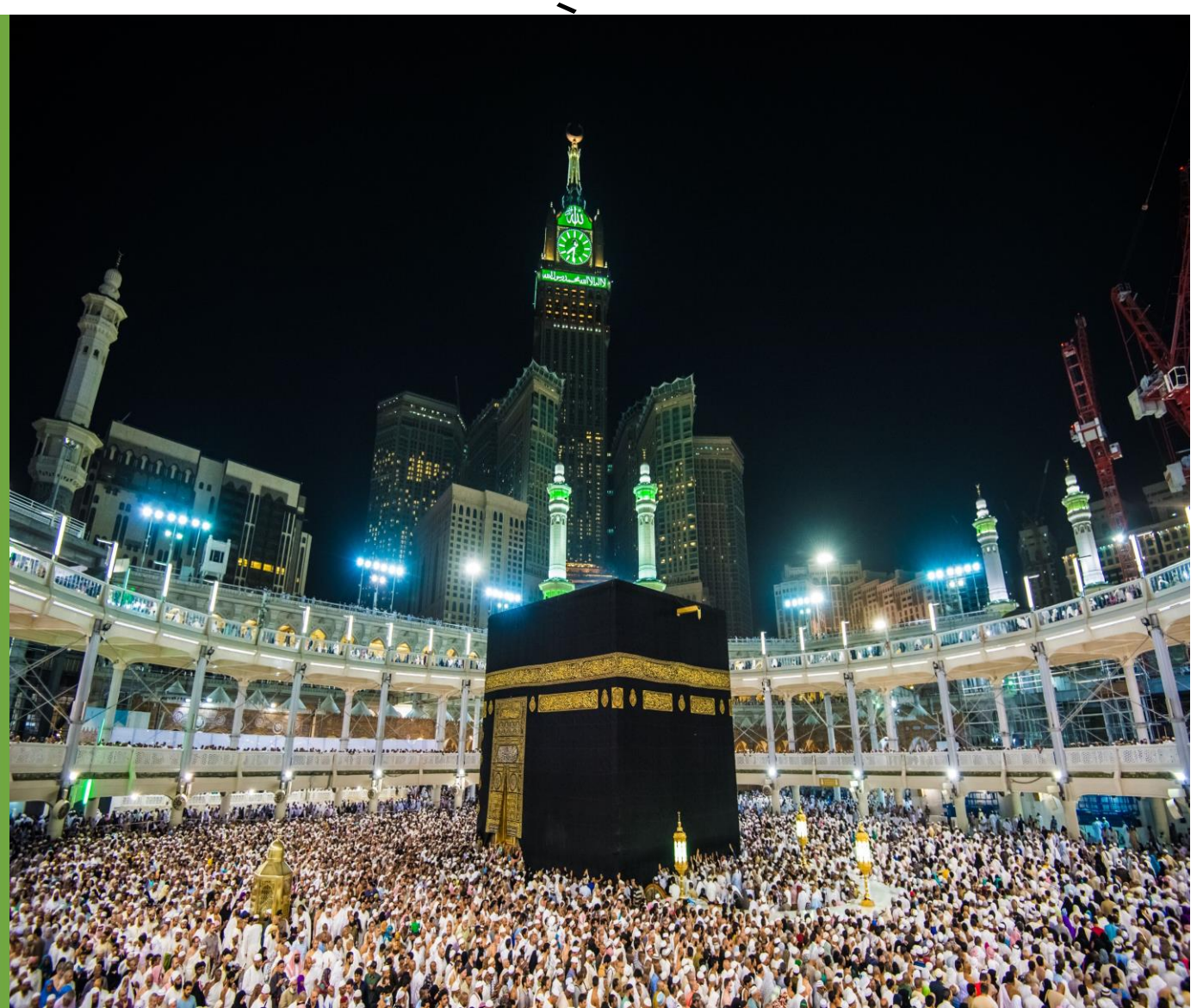

www.evidyarthi.in

(iii) सूती वस्त्रों का बड़ा बाजार था। सूती वस्त्र बेचने वाली कई खुदरा और थोक दुकानें मिल सकती हैं।

(iv) सूरत के वस्त्र अपने सोने के फीते की सीमाओं, जरी के लिए प्रसिद्ध थे और पश्चिम एशिया, अफ्रीका और यूरोप में इसका बाजार था।

(v) आगंतुकों के लिए पर्याप्त विश्राम गृह थे। भव्य इमारतों और असंख्य आनंद पार्कों ने दूर-दराज के लोगों को आकर्षित किया।

कक्षा VII पाठ 6 नगर, व्यापारी और शिल्पजन (NCERT)

www.evidyarthi.in

www.evidyarthi.in

प्रश्न 8. कलकत्ता जैसे नगरों में शिल्प उत्पादन तंजावूर जैसे नगरों के शिल्प उत्पादन से किस प्रकार भिन्न था ?

उत्तर- तंजावुर में शिल्प उत्पादन तांबे और चांदी में जड़ना कार्य के रूप में था जबकि कलकत्ता में यह सूती वस्त्र, जूट वस्त्र और रेशम वस्त्र के रूप में था।

कक्षा VII पाठ 6 नगर, व्यापारी और शिल्पजन (NCERT)

www.evidyarthi.in

तंजावुर में चांदी और तांबे का शिल्प उत्पादन